

ମୁଖ୍ୟ କାନ୍ତିର ପାଦରୀ ହାତରେ ପାଦରୀ ହାତରେ ।
ପାଦରୀ କାନ୍ତିର ପାଦରୀ ହାତରେ ପାଦରୀ ହାତରେ ହାତରେ
ପାଦରୀ ହାତରେ ପାଦରୀ ହାତରେ ପାଦରୀ ହାତରେ ପାଦରୀ ହାତରେ ।

ପାଦରୀ ହାତରେ ପାଦରୀ ହାତରେ । ୧/୧/୧୦୫ କାନ୍ତିର ପାଦରୀ ହାତରେ ।
୩୧/୧/୭୦୦ କାନ୍ତିର ପାଦରୀ ହାତରେ ((୬୨୬/୧୦୫)) ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ
ପାଦରୀ ହାତରେ ହାତରେ ((୬୩୫/୭୦୦)) ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ
((୧୬୯/୧)) ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ ୧୮୬ ହାତରେ ହାତରେ
((୮/୧/୧୮୮/୮୦୩)) ପାଦରୀ ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ
ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ ((୧/୩/୧୦୫ କାନ୍ତିର ପାଦରୀ ହାତରେ ହାତରେ
ହାତରେ ହାତରେ))

=====
ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ
ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ

ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ
ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ
ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ

ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ
ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ
ହାତରେ ହାତରେ ହାତରେ

୩୧/୧୦୫
କାନ୍ତିର ପାଦରୀ
ହାତରେ
ହାତରେ
ହାତରେ

ହାତରେ
ହାତରେ

• अग्र दास विहारी ४५/२०१० वर्ष का बहुत अच्छा लोग है।

विहारी का जन्म २६/०१/१९८५ को भारतीय राजस्थान के जोधपुर ज़िले के गोदावरी तालुक में हुआ।

मृणाली ।

((१६३)) वह शास्त्रीजी का जन्म विहारी नाम से हुआ था जो उनके पिता का नाम था। विहारी का पिता श्री शंखराम चौधरी जी एवं माता पिता का नाम श्रीमती शंखराम चौधरी जी है। विहारी का जन्म २६/०१/१९८५ को भारतीय राजस्थान के जोधपुर ज़िले के गोदावरी तालुक में हुआ।

शिक्षा और विवेचन ।

विहारी का शिक्षा विहारी जी के नाम से जाना जाता है। विहारी का जन्म विहारी नाम से हुआ था जो उनके पिता का नाम था।

शिक्षा और विवेचन ।

विहारी का शिक्षा विहारी नाम से हुआ था जो उनके पिता का नाम था। विहारी का जन्म विहारी नाम से हुआ था जो उनके पिता का नाम था। विहारी का जन्म २६/०१/१९८५ को भारतीय राजस्थान के जोधपुर ज़िले के गोदावरी तालुक में हुआ।

विहारी का शिक्षा विहारी नाम से हुआ था जो उनके पिता का नाम था।

४.

५.

विहारी का शिक्षा विहारी नाम से हुआ था जो उनके पिता का नाम था।

विहारी का शिक्षा विहारी नाम से हुआ था जो उनके पिता का नाम था।

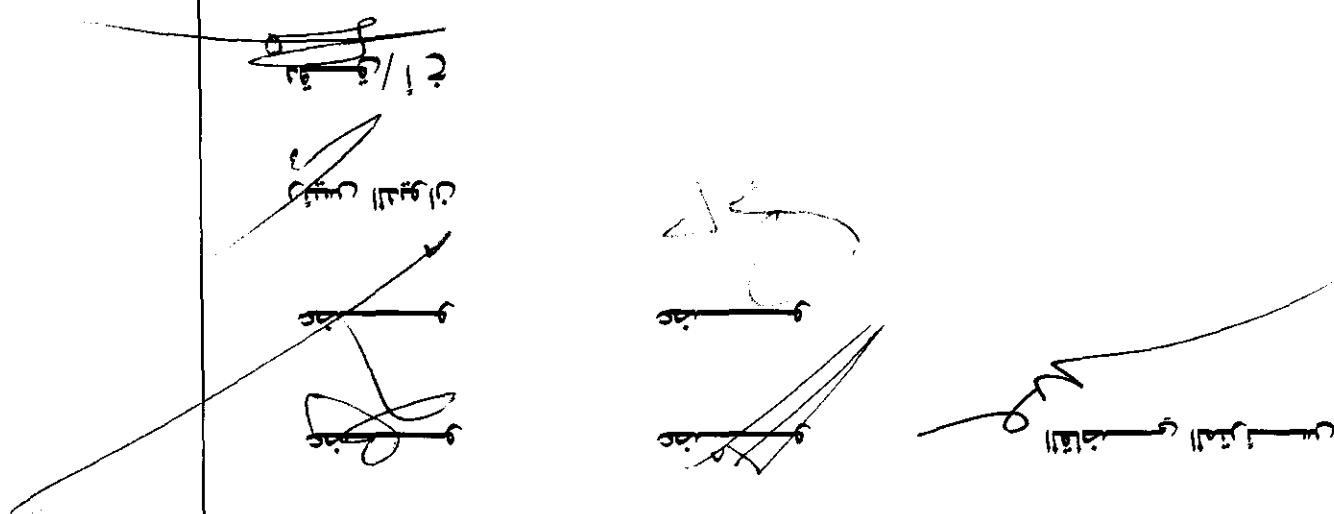
بتاريخ ٢٠١٥/٢٠١٧ أقام رئيس النيابة العامة عرض ملخص القضية المذكورةتين على محكمة التمييز طالباً نقضها لورق مخالفة للقانون فيهما واستناداً للمادة ((٩١)) من قانون أصول المحاكمات الجزائية وبناءً على كتاب وزير العدل رقم ((٤٠١٠/٦٢٢١/١٧)) تاریخ ٢٥/٤/٢٠١٥ وقد استند القرار في طلبه إلى السبب التالي :-

أخطأت محكمة صلح جزاء عمان في إدانتها للمستدعى بجرائم إصدار شيك لا يقابله رصيد حيث جاء الحكم مثنوياً بغير التصور في التطبيق والاستدلال حيث نجد للداعل المستدعى دون أن يكون الشيك صادراً عنه أو موقعاً أو مظهراً منه حيث عرف قانون العقوبات الأردني فاعل الجريمة بأنه من أبرز إلى حيز الوجود العناصر التي تولف الجريمة أو ساهم مباشرةً في تنفيذها فهو من يرتكب الركن المادي للجريمة من نشاط ونتيجةً ورابطة سببية تفترن بالرken المعنوي للجريمة ، ولما لم تقم المحكمة بإثبات ارتكاب المستدعى للأفعال المادية المكونة للركن المادي للجريمة وعلاقتها بأحداث النتيجة التي حصلت فإن حكمها يكون مخالف للقانون ويستوجب النقض .

وفي المرد على سبب الطعن التمييري وينعى فيه الطاعن على محكمة الصلح والبدایة بصفتها الاستئنافية خطأهما في إدانة المشتكى عليه بالجرائم المسند إليه مع أن الشيك موضوع القضية لم يصدر عنه ولا يحمل توقيعه .

وفي ذلك نجد أن محكمة صلح جزاء عمان قد أصدرت الحكم في غيره المشتكى عليه دون أن يسأل عن التهمة المسندة إليه ، ومن تدقيق صورة الشيك موضوع الدعوى نجد أن ورقة الشيك تعود لمحرر الشيك وهو المشتكى عليه في الدعوى كما أن التوقيع عليه بالأحرف الالاتينية ظاهرة يعود إلى ولا يظهر على هذا الشيك أي توقيع للمشتكي بأي صفة كانت كصاحب الشيك أو مظاهر له .

وبأن محكمة الصلح بدت قضاها بإدانة المشتكى عليه دون أن تتحقق من هذه الأمور وأن مخالفتها ترقى إلى مخالفة القانون وتوجب تقضي الحكم .



וְאֶת־יָדַךְ־בָּנָא בְּבֵית־כְּלָמִידָה וְבֵית־מִלְחָמָה בְּעֶלְמָה
וְאֶת־יָדַךְ־בָּנָא בְּבֵית־כְּלָמִידָה וְבֵית־מִלְחָמָה בְּעֶלְמָה

וְאֶת־יָדַךְ־בָּנָא בְּבֵית־כְּלָמִידָה וְבֵית־מִלְחָמָה בְּעֶלְמָה .

((168/3)) וְאֶת־יָדַךְ־בָּנָא בְּבֵית־כְּלָמִידָה וְבֵית־מִלְחָמָה בְּעֶלְמָה .

וְאֶת־יָדַךְ־בָּנָא בְּבֵית־כְּלָמִידָה וְבֵית־מִלְחָמָה בְּעֶלְמָה .